

भारत का गज़त The Gazette of India



असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 257] नई दिल्ली, बुधवार, जून 17, 1981/च्येष्ट 27, 1903

No 257] NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 17, 1981/JYAISTA 27, 1903

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वाणिज्य मंडाल

(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, 17 जून, 1981

का० आ० 443 (अ).—केन्द्रीय सरकार को मैतर्स हिन्दुस्तान टी कम्पनी, 205, एक्सेन्टर
सरणी, कलकत्ता 700007 के स्वामित्वाधीन काउंटर जिला, भारत में स्थित मुझोंगा टी एस्टेट,
दाकघर दुलु और हृतिचेरा टी एस्टेट, डाकघर उदयनगर नामक दोनों बाये एककों को बायत यह राय
है कि :—

- (i) 1975-1979 के पाँच वर्षों में से कम से कम तीन वर्ष आय एककों की औसत
उपज जिले की औसत उपज से पञ्चीस प्रतिशत कम रही है;
- (ii) आय एककों के स्वामियों ने कर्मकारों और अन्य कर्मचारियों की मजबूरी और
धनिष्य निधि देयों तथा ऐसे अन्य देयों का, जिनका संदाय करने के लिए वे तत्समय
प्रवृत्त विधियों के अधीन बाध्य हैं, संदाय करने में बारम्बार व्यतिक्रम किया है;

(iii) चाय एककों का प्रबन्ध ऐसे ढंग से किया जा रहा है, जो चाय उत्पाद और लोक-
हित के लिए अद्भुत प्रहितकर है।

प्रतः : केन्द्रीय सरकार चाय अधिनियम, 1953 (1953 का 29) की धारा 16ब को
उपधारा (1) धारा प्रवत् शक्तियों का प्रयोग करते हुए उक्त एककों के मामलों का पूर्ण और
व्यापक अधिकार उपर्योग करने के प्रयोजनार्थ व्यक्तियों का एक निकाय नियुक्त करती है, जिसमें निम्नलिखित
होंगे :—

- (1) चाय विकास निवेशक, चाय बोर्ड कलकत्ता।
- (2) केन्द्रीय सलाहकार और मुख्य लेखा अधिकारी, चाय बोर्ड कलकत्ता।
- (3) सचिव, असम सरकार, उद्योग विभाग, गोहाटी, असम।
- (4) उप सलाहकार (वित्त), लोक उद्यम ब्यूरो, मध्यूर भवन, नई दिल्ली।
- (5) संयुक्त निवेशक (जेञ्चा), केन्द्रीय निवेशक का कार्यालय, कम्पनी विधि बोर्ड, कलकत्ता।

उक्त निकाय राजपत्र में इस प्रावेश के प्रकाशन की तरीख से 90 दिन की अवधि के भीतर
अपनी रिपोर्ट केन्द्रीय सरकार को प्रस्तुत करेगा।

[फा० स० बी० १२०१२(३) /७०-स्काट (८)]
एस० गोपालम, समूक्त सचिव

MINISTRY OF COMMERCE
(Department of Commerce)

New Delhi, the 17th June, 1981

S.O. 443(E).—Whereas the Central Government is of opinion in respect of the tea units known as Subong Tea Estate, P.O. Dulu and Hatticheria tea estate, P.O. Udarbund, both situated in the Cachar District, Assam and owned by M/s. Hindustan Tea Co., 205, Rabindra Sarani, Calcutta, 700007, that :—

- (i) the average yield of the tea units for at least three of the five years 1975—1979 has been lower than the district average by twenty five per cent;
- (ii) the persons owning the tea units have habitually made default in the payment of wages and provident fund dues of workers and other employees and other dues as they are under an obligation to pay under the laws for the time being in force ; and
- (iii) the tea units are being managed in a manner highly detrimental to the tea industry and to public interest.

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (1) of section 16B of the Tea Act, 1953 (29 of 1953), the Central Government hereby appoints for the purpose of making a full and complete investigation into the affairs of the said units, a body of persons consisting of :—

- (1) Director of Tea Development, Tea Board, Calcutta.
- (2) Financial Adviser and Chief Accounts Officer, Tea Board, Calcutta.

- (3) Secretary to the Government of Assam, Industries, Department Gauhati, Assam.
- (4) Deputy Adviser (Finance), Bureau of Public Enterprises, Mayur Bhavan, New Delhi.
- (5) Joint Director (Accounts), Office of the Regional Director, Company Law Board, Calcutta.

The said body shall submit its report to the Central Government within a period of 90 days from the date of publication of this order in the official Gazette.

[F. No. B-12012(3)/79-Plant(A)]

S. GOPALAN, Joint Secy.

